मन मंदिर की ज्यओति जगादो, घाट घाट बसी रेमंदिर मंदिर मूरत तेरी, फिर भी ना दिखे सूरत तेरी यौग बीते ना आई मिलन की Bhajans Bhakti Songs

मन मंदिर की ज्यओति जगादो, घाट घाट बसी रेमंदिर मंदिर मूरत तेरी, फिर भी ना दिखे सूरत तेरी
यौग बीते ना आई मिलन की
पुरानामसी रे द्वार दयाअ का जब तू खोले, पंचम सुर में गूंगा बोले
अँधा देखे लंगड़ा चल कर
पहुँचे कसी रेपानी पी कर प्याअस बूझौं, नैनों को कैसे समझाओन
आँख मिचौली छ्चोड़ो अब
मान के बसी रे निबर्ल के बाल धान निधार्न के, तुम रखवाले भक्त जनों के
तेरे भजन में सब सुख पौन
माइट उदासी रेनाम जेप पर तुझे ना जाने, उनको भी तू अपना माने
तेरी दयाअ का अंत नहीं है
हे दुख नाशी रेआज फ़ैसला तेरे द्वार पर, मेरी जीत है तेरी हार पर
हर जीत है तेरी मैं तो
चरण उपासी रेद्वार खड़ा कब से मतवाला, माँगे तुम से हर तुम्हारी

नरसी की यए बीनती सुनलो
भक्त विलासी रेलाज ना लूट जायाए प्रभु तेरी, नाथ करो ना दयाअ में देरी
तीन लोक छ्चोड़ कर आओ
गंगा निवासी रे

Source: https://www.bharattemples.com/man-mandir-kee-jyoti-jagaado/

Bharat Temples

Complete Bhajans Collections - Download Free Android App
https://play.google.com/store/apps/details?id=com.numetive.bhajans

Facebook: https://www.facebook.com/bharattemples/
Telegram: https://t.me/bharattemples
Youtube: https://www.youtube.com/channel/UC24oJCxZJyhhKzSUD-Lt9Tw